ॐ

आदरणीय बन्धु / भगिनी

सप्रेम नमस्ते। दिनांक 14-8-2011

स्वाधीनता दिवस एवम् श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की
हार्दिक शुभकामनायें

यह सभी के लिये गौरव का विषय है कि विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान की प्रान्तीय इकाई 'सरस्वती विद्या प्रतिष्ठान मध्यप्रदेश' अपना 'रजत जयन्ती' वर्ष मनाने जा रही है।

शून्य से प्रारम्भ हुआ यह कार्य आप सभी के सतत सहयोग से अब विराट रूप लेता जा रहा है। वर्तमान में मध्यभारत प्रान्त में जहाँ एक ओर 448 नगरीय एवम 1577 ग्रामीण क्षेत्र के सरस्वती शिशु मन्दिरों में 3 लाख 52 हजार भैया/बहनें अध्ययन रत हैं। वहीं दूसरी ओर समाज के उपेक्षित क्षेत्र अर्थात झुग्गी-झोपड़ियों में 606 तथा जनजातीय क्षेत्रों में 849 निःशुल्क सरस्वती संस्कार केन्द्रों (एकल विद्यालय) का संचालन भी योजना के अन्तर्गत किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त बैतूल जिले के भारत भारती, ग्राम जामठी व ग्राम धाबा में तथा रायसेन जिले के सियरमऊ में जनजातीय छात्रों के लिये तथा रायसेन नगर में जनजातिय छात्राओं के लिये छात्रावासों (कुल 5 छात्रावास) का संचालन भी किया जा रहा है।

वर्तमान परिस्थिती एवम भविष्य की चुनौतियों को ध्यान में रखते हुये इस कार्य को और तेजी से बढ़ाने की महत्वाकांक्षी योजना 'रजत जयन्ति' के इस अवसर पर बनाई गई है।

रजत जयन्ती के इस अवसर पर दिनांक 11,12,13 नवम्बर को 11 हजार कार्यकर्ताओं का एक महाशिविर का आयोजन केशव विद्यापीठ, इन्दौर में किया गया है जिसमें परम पूजनीय सरसंघचालक मा॰ मोहनराव भागवत उद्घाटन समारोह में तथा संघ के सह सरकार्यवाह मा सुरेश जी सोनी व प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री मा॰ शिवराज सिंह चौहान समापन समारोह में विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे।

आप इस सम्मेलन में सादर आमंत्रित हैं।

रजत जयन्ती वर्ष के इस विशेष अवसर पर, वनवासी क्षेत्र में कार्य विस्तार व दृढ़ीकरण हेतु तथा नवीन प्रकल्पों को प्रारम्भ करने हेतु 11 करोड़ की 'अक्षय निधि' संकलित करने की योजना प्रान्त के कार्यकर्ताओं द्वारा बनाई गई है।

कार्यकर्ताओं की योजनाओं को साकार रूप देने में आपका तन, मन धन से सहयोग प्राप्त हो, ऐसा निवेदन इस पत्र के माध्यम से कर रहा हूँ।

वैसे तो प्रत्यक्ष मिलने की ही इच्छा थी परन्तु हृदय की बाय-पास सर्जरी होने के कारण यह सम्भव नहीं हो पा रहा है।

पुनश्च इन्दौर में आयोजित वामन दृष्टि कार्यकर्ता महाशिविर में आप पधारें।

वहीं प्रत्यक्ष भेंट होगी ही। इसी निवेदन के साथ आपका

रोशनलाल सक्सेना
क्षेत्रीय मार्गदर्शक, विद्या-भारती
मध्यक्षेत्र (मध्यप्रदेश छत्तीसगढ़)